ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 11 नवम्बर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 196

RBI के एक कदम से चित हो जाएंगे साइबर ठग, बैंकों की फेक वेबसाइट की पहचान करना होगा आसान



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्लीः डिजिटल बैंकिंग ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार तो दे दी, लेकिन साथ ही साथ साइबर ठगी और फिशिंग जैसे अपराधों में भी तेजी आई. साइबर ठग फेक वेबसाइट्स, ईमेल लिंक और मोबाइल मैसेज के जरिए लगातार लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं और उनकी कमाई हड़प रहे हैं.

इस बीच भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने बैंकिंग सेक्टर में साइबर सिक्योरिटी को मजबूत करने और ऑनलाइन धोखाधड़ी को रोकने के लिए हाल ही में एक बड़ा कदम उठाया है. इस क्रम में आरबीआई ने सभी बैंकों को अपनी ऑफिशियल वेबसाइट डोमेन को '.BANK.IN' से बदलना अनिवार्य करने का फैसला किया.

उल्लेखनीय है आरबीआई की ओर से उठाया गया यह कदम महज नाम बदलने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह पूरे डिजिटल बैंकिंग इकोसिस्टम की सिस्टम और ट्रांसपेरेंसी की दिशा में एक अहम पहल है. यह बैंक कस्टमर्स की कैश और पर्सनल डिटेल्स की सिक्योरिटी सुनश्चित करने में अहम रोल अदा कर सकता है.

क्या है '.BANK.IN' डोमेन?

बता दें कि किसी भी कंपनी का डोमेन नेम उसकी वेबसाइट का एड्रेस होता है. ऐसे में बैंक के '.BANK.IN' एक सिक्योर टॉप-लेवल डोमेन है. इसे खासतौर पर भारतीय बैंकों के लिए डिजाइन किया गया है. इसे इंस्टिट्यूट फॉर डेवलपमेंट एंड रिसर्च इन बैंकिंग टेक्नोलॉजी (IDRBT) और मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रोनिक्स एंड इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी (MEITY) के सहयोग से डेवलप किया गया है.

यह डोमेन केवल ऑथोराइज और मान्यता प्राप्त बैंकों को ही जारी किया जाएगा. यानी कोई भी फर्जी या अनऑथोराइज संस्था इसे नहीं ले सकेगी. इसका रजिस्ट्रेशन, वेरिफिकेशन और ऑपरेशन पूरी तरह कंट्रोल और सिक्योर होगा.

RBI ने क्यों उठाया यह कदम?

RBI के मुताबिक हाल के वर्षों में फेक बैंक वेबसाइट्स और डोमेन क्लोनिंग की वजह से बड़ी संख्या में साइबर फ्रॉड हुए. आमतौर पर साइबर क्रिमिनल ग्राहकों को पर्सनल जानकारी चुराने के लिए असली वेबसाइट की तरह दिखने वाले डोमेन बना लेते थे, जिससे अक्सर लोग धोखा खा जाते थे.

इस समस्या को खत्म करने के लिए RBI ने तय किया कि अब हर बैंक की वेबसाइट का डोमेन '.BANK.IN' पर खत्म होगा. उदाहरण के लिए SBI की वेबसाइट होगी - WWW.ICICI.BANK.IN. इससे ग्राहकों को असली और नकली वेबसाइट में फर्क करना आसान होगा और धोखाधड़ी के मामले में कमी आएगी.

भारतीय कंपनियों ने रशियन ऑयल के आर्डर देना बंद किए: दिसंबर से रिलायंस समेत 5 बड़ी कंपनिंया रूसी तेल नहीं खरीदेंगी; ट्रम्प भारत पर टैरिफ घटाएंगे



24 न्यूज अपडेट

भारत ने दिसंबर महीने की डिलीवरी के लिए रूस से कच्चे तेल की खरीद में बड़ी कटौती की है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, देश की पांच प्रमुख रिफाइनर कंपनियों ने दिसंबर के लिए कोई नया ऑर्डर नहीं दिया है। यह फैसला अमेरिकी प्रतिबंधों और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं के बीच लिया गया है। अगस्त में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूसी तेल खरीदने के कारण भारत पर 50% टैरिफ लगा दिया था। इसके बाद उन्होंने रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट और लुकोइल के साथ सभी तरह के लेन-देन को प्रतिबंधित कर दिया था। ये प्रतिबंध 21 नवंबर से लागू हो रहे हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, मंगलौर रिफाइनरी और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी ने दिसंबर के लिए रूस को नया ऑर्डर नहीं दिया। ये कंपनियां इस साल अब तक भारत के रूसी आयात का दो-तिहाई हिस्सा रही हैं।

इंडियन ऑयल (IOC) और नयारा एनर्जी ही दिसंबर के लिए रूसी तेल खरीद रही हैं। IOC गैर-प्रतिबंधित सप्लायर्स से खरीद कर रही है, जबकि नयारा जिसमें रूस की रोसनेफ्ट की 49% हिस्सेदारी है, पूरी तरह रूसी सप्लाई पर निर्भर है।

दिल्ली धमाके के बाद पाकिस्तान अलर्ट: पाकिस्तानी जेट राजस्थान सीमा के पास गश्त कर रहे; भारत ने बॉर्डर के पास हाइवे पर उतारा जगुआर



24 न्यूज अपडेट

दिल्ली धमाके के बाद पाकिस्तान ने घबराहट में राजस्थान से लगी सीमा पर वायु सेना की पेट्रोलिंग शुरू करा दी। उसकी तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने एक इमरजेंसी बैठक की। पीएम शहबाज शरीफ भी NSA और DG ISI के साथ देर रात तक बैठकें करते रहे। आज दिल्ली में हुए धमाके में 11 लोगों की मौत की खबर आई थी, लेकिन घटना के 3 घंटे बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 8 मौतें हुई हैं। इसके बाद अस्पताल से जारी सूची में 9 मौतों की जानकारी दी गई। इसी बीच जैसलमेर के बाड़मेर में सेना का युद्धाभ्यास ऑपरेशन त्रिशूल चल रहा है। इसमें पाकिस्तानी सीमा के पास हाईवे पर जगुआर फाइटर जेट उतारा गया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह सबसे बड़ा युद्धाभ्यास है। इस दौरान सुखोई-30 भी इमरजेंसी एयर स्ट्रिप पर उतरा।

अजित कुमार, राम्या कृष्णन के आवास पर बम की धमकी, पुलिस का आया बयान

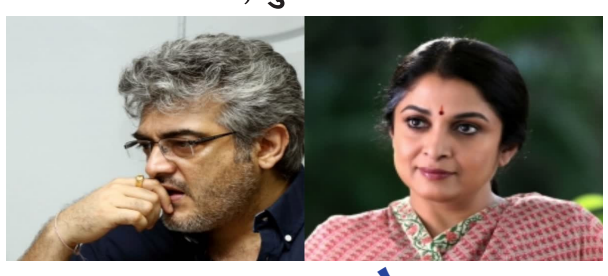

24 न्यूज अपडेट

तमिल फिल्म हस्तियों को बम की धमकियां मिल रही हैं, जिससे कॉलीवुड फिल्म जगत में सुरक्षा व्यवस्था में खलबली मच गई है. इसमें सबसे ताजा नाम अभिनेता अजित कुमार और राम्या कृष्णन का है. मामले की जांच के बाद, पुलिस ने कहा है कि उन्हें कोई छिपा हुआ विस्फोटक नहीं मिला है और उन्होंने इस कॉल को एक अफवाह बताया है. आईएएनएस के मुताबिक, एक्टर अजित कुमार के आवास पर बम की धमकी मिलने की सूचना मिली है. यह धमकी पुलिस मुख्यालय को ईमेल के जरिए भेजी गई है. बम निरोधक दस्ता और खोजी कुत्ते घटनास्थल की जांच कर रहे हैं. आईएएनएस के अनुसार, अजित कुमार के आवास पर बम की धमकी को अब अफवाह घोषित कर दिया गया है. एक्टर के करीबी सूत्रों ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीमें तुरंत हरकत में आ गईं और मंगलवार दोपहर धमकी को बेअसर करने के लिए एक्टर के तिरुवनमयूर स्थित आवास पर पहुंची. कुत्तों के साथ पुलिस की टुकड़ियों ने धमकी को अफवाह घोषित करने से पहले अभिनेता के आवास की गहन तलाशी ली. सोर्स के अनुसार, बम की धमकी डीजीपी ऑफिस को मेल के जरिए मिली थी और राम्या कृष्णन, एस. वी शेखर जैसी अन्य फिल्मी हस्तियों के आवासों पर भी धमकी दी गई थी. रिपोर्ट में बताया कि धमकी को अफवाह घोषित करने से पहले पुलिस ने उन सभी जगहों पर इसी तरह की तलाशी ली जहां धमकी दी गई थी. फिलहाल इन धमकियों को अफवाह घोषित कर दिया गया है, फिर भी तमिलनाडु पुलिस ऐसी धमकियों के पीछे के लोगों का पता लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है, क्योंकि हाल ही में ऐसी धमकियों में काफी बढ़ोतरी हुई है.

दिल्ली ब्लास्ट की जांच 3 एंगल पर कर रही पुलिस: कार में मौजूद डॉ. उमर ने दोपहर 3.10 से शाम 6.22 तक क्या किया?

24 न्यूज अपडेट

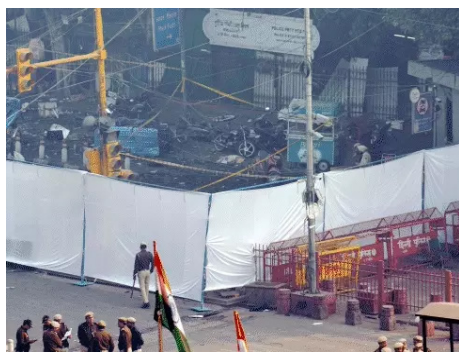

दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास धमाके से जुड़ा एक CCTV फुटेज मंगलवार को सामने आने के बाद पुलिस की जांच 3 एंगल (डॉ. उमर के मूवमेंट, फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल और विस्फोटक) पर फोकस हो गई है।

दरअसल, ब्लास्ट में जिस सफेद i20 कार का इस्तेमाल हुआ था, उसके एक CCTV फुटेज में डॉ. मो. उमर नबी नजर आया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उमर ने आत्मघाती धमाका किया। विस्फोट में अमोनियम नाइट्रेट, फ्यूल और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया था।

दिल्ली में धमाके से एक दिन पहले, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने फरीदाबाद में एक आतंकी मॉड्यूल से जुड़े 3 तीन डॉक्टरों सहित 8 लोगों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से 2,900KG विस्फोटक बरामद हुआ था।

सोना 1,688 बढ़कर 1.24 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ: 2 दिन में 4,029 महंगा हुआ; चांदी आज 3,117 बढ़कर 1.55 लाख किलो हुई

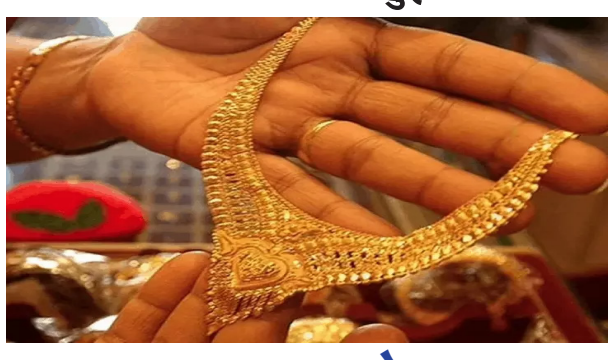

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 11 नवंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम सोना 1,688 रुपए बढ़कर 1,24,129 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 1,22,441 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सिर्फ 2 कारोबारी दिनों में ही ये 4,029 रुपए बढ़ चुका है। बीते शुक्रवार को ये 1,20,100 रुपए पर था।

वहीं, चांदी 3,117 रुपए बढ़कर 1,54,760 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,51,643 प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

सेंसेक्स 336 अंक चढ़कर 83,871 पर बंद: निफ्टी में भी 121 अंक की बढ़त, बजाज फाइनेंस 7.4% गिरा; ऑटो और IT शेयरों की मांग रही



24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार, 11 नवंबर को सेंसेक्स 336 अंक चढ़कर 83,871 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 121 अंक की तेजी रही, ये 25,695 के स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान बाजार में आज गिरावट थी। फिर, सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 600 अंक और निफ्टी 200 अंक रिकवर हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 24 शेयर्स ऊपर बंद हुए। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, अडाणी पोर्ट्स, महिंद्रा सहित कुल 8 शेयरों में 1%-2.5% तक की तेजी रही। बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयरों में 7.4% और 6.3% की गिरावट रही।

वहीं, निफ्टी के 50 में से 40 शेयरों में तेजी रही। NSE के ऑटो सेक्टर में 1.07% और IT में 1.20% के साथ-साथ मेटल, प्राइवेट बैंकिंग और FMCG में तेजी रही। वहीं, सरकारी बैंकिंग, मीडिया, फार्मा और रियल्टी में गिरावट रही।

आईआईटी जोधपुर के वैज्ञानिकों ने सेंट्रोसोम के रहस्यों को सुलझाया, कैंसर और दुर्लभ रोगों के उपचार की नई राहें खुलेंगी



24 न्यूज अपडेट

जोधपुरः कल्पना कीजिए कि हमारा शरीर एक व्यस्त शहर की तरह है, जहां प्रोटीन, अणु और अन्य जैविक अंश सड़कों पर दौड़ते वाहनों की तरह गतिशील हैं. इस सारे जटिल ट्रैफिक को नियंत्रित करने वाला 'ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर' कौन है? उत्तर है सेंट्रोसोम, जो कोशिका (सेल) का अपना 'मिशन कंट्रोल सेंटर' है. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर (आईआईटी जोधपुर) के बायोसाइंस एंड बायोइंजीनियरिंग विभाग की सह-आचार्य डॉ. प्रियांका सिंह और उनकी शोध टीम सेंट्रोसोम की संरचना और कार्यप्रणाली को समझने में जुटी हैं. उनके शोध में यह सामने आया है कि यह सूक्ष्म जैविक केंद्र किस प्रकार कोशिकाओं के विभाजन को नियंत्रित करता है, संतुलन बनाए रखता है और असंतुलन होने पर कैंसर या माइक्रोसेफली जैसी बीमारियां उत्पन्न हो जाती हैं.

डॉ. सिंह ने अपने शोध को विस्तार से समझाते हुए कहा कि हम कोशिका की कार्यप्रणाली का सटीक ब्लूप्रिंट समझना चाहते हैं, ताकि कैंसर को वहीं रोका जा सके, जहां वह शुरू होता है. स्वस्थ कोशिकाओं को कोई क्षति न पहुंचे. जब कोशिकाएं विभाजित होती हैं, तो सेंट्रोसोम दोगुने होकर सेल के दोनों छोरों पर पहुंच जाते हैं और सूक्ष्म तंतु (माइक्रोट्यूब्यूल्स) बनाते हैं, जो गुणसूत्रों (क्रोमोसोम्स) को दो बराबर भागों में बांटते हैं. सेंट्रोसोम की संख्या ज्यादा या कम हो जाए, तो कोशिकाओं का विभाजन अनियंत्रित हो जाता है, जो कैंसर की प्रमुख पहचान है.

कैंसर को रोकने की दिशा में कदमः डॉ. सिंह की टीम ने यह खोज की है कि PLK4 नामक प्रोटीन एक 'स्विच' की तरह कार्य करता है, जो समय पर दो अवस्थाओं के बीच बदलता है और सेल डिवीजन को संतुलित रखता है. शोध में सामने आया है कि STIL प्रोटीन और BRCA1 ट्यूमर सप्रेसर प्रोटीन के बीच एक नया, अप्रत्याशित संबंध है. यह साझेदारी बताती है कि कैसे कोशिका के भीतर की यह प्रणाली स्वयं कैंसर-रोधी भूमिका निभाती है. टीम यह भी अध्ययन कर रही है कि सेंट्रोसोम से जुड़ी प्रोटीन में परिवर्तन (म्यूटेशन) कैसे माइक्रोसेफली जैसी दुर्लभ बीमारियों का कारण बनते हैं.

भविष्य में कैंसर थेरेपी की खुलेगी राहः रिसर्च में सामने आया है कि CPAP प्रोटीन में दो अलग-अलग प्रकार के म्यूटेशन से एक में सेंट्रोसोम बहुत बड़े हो जाते हैं और दूसरे में उनकी संख्या बढ़ जाती है. यह संतुलन बिगड़ना गंभीर विकास संबंधी विकारों का कारण बनता है. कुछ कैंसर कोशिकाएं सेंट्रोसोम की संख्या बढ़ने के बावजूद उन्हें एक साथ जोड़ लेती हैं, ताकि सामान्य विभाजन का भ्रम बना रहे. टीम ने ऐसे म्यूटेशन की पहचान की है जो इस 'धोखा' देने में मदद करते हैं और ऐसे रसायनों का विकास किया है जो इन सेंट्रोसोम क्लस्टर्स को तोड़ सकते हैं. यह भविष्य की कैंसर थेरेपी के लिए एक नई दिशा प्रदान कर सकता है.

संपादकीय : आतंक का चेहरा

आतंकवाद वैश्विक स्तर पर शांति और लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। आतंकी अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए साजिशों के नए-नए जाल बनते हैं, जिन्हें भेद पाने में सुरक्षा एजेंसियों को भी कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सुरक्षा एजंसियों को इसी तरह के एक अंतरराज्यीय आतंकी संजाल का भंडाफोड़ करने में सफलता मिली है, जिसमें आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस साजिश की भयावहता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि आरोपियों के ठिकानों से 2,900 किलोग्राम विस्फोटक और हथियार बरामद किए गए हैं। यानी वे किसी बड़े खौफनाक हमले को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस का दावा है कि आतंकियों का यह तंत्र पाकिस्तान की धरती से संचालित होने वाले जैश-ए-मोहम्मद और आइएसआइएस से संबंधित अंसार गजवातुल-हिंद से जुड़ा हुआ था, जो जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में सक्रिय था। सवाल है कि इस गिरोह से जुड़े लोग इतने बड़े पैमाने पर विस्फोटक पदार्थ और हथियार जमा करने में कैसे कामयाब हो गए ? सुरक्षा और खुफिया एजंसियों को इनकी गतिविधियों की भनक पहले क्यों नहीं लग पाई ? जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हरियाणा और उत्तर प्रदेश की पुलिस तथा केंद्रीय एजंसियों के साथ विशेष अभियान चलाकर इस आतंकी तंत्र का पर्दाफाश किया है। खास बात यह है कि इस गिरोह के जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया, उनमें एक विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षक और एक चिकित्सक भी शामिल हैं। साफ है कि आतंकी संगठन पढ़े-लिखे लोगों को भी अपने साथ जोड़ रहे हैं. ताकि किसी हिंसक वारदात को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया जा सके। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में से एक के दिल्ली से सटे फरीदाबाद स्थित किराए के मकान से 360 किलोग्राम ज्वलनशील पदार्थ बरामद किया गया है। सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में इतने बड़े पैमाने पर ज्वलनशील पदार्थ का मिलना कई सवाल खड़े करता है। एनसीआर में जगह-जगह पुलिस की ओर से सुरक्षा नाके लगाए गए हैं, इसके बावजूद विस्फोटक पदार्थ की इतनी बड़ी खेप आखिर वहां कैसे पहुंचाई गई ? क्या खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों की जांच का व्यवस्थागत तंत्र इतना कमजोर है कि वह वास्तविक समय पर आपराधिक गतिविधियों को पकड़ पाने में सक्षम नहीं है ? गिरफ्तार किए गए आठ लोगों में से सात कश्मीर के हैं, जबकि एक उत्तर प्रदेश का निवासी है। सुरक्षा अधिकारियों का दावा है कि जांच में दो आरोपियों के मोबाइल फोन में पाकिस्तान के कई नंबर पाए गए हैं। जाहिर है कि वे पाकिस्तान में अपने आकाओं के संपर्क में थे। यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि गिरफ्तार सभी आरोपी स्थानीय हैं, मगर उनके पास चीनी स्टार पिस्तौल, एके-56 एवं एके क्रिंकाव राइफल जैसे हथियार और इतने बड़े पैमाने पर विस्फोटक पदार्थ कहां से आए? प्रारंभिक जांच में यह बात भी सामने आई है कि धन का लेन देन करने और साजो-सामान की व्यवस्था के लिए यह गिरोह गुप्त माध्यमों का इस्तेमाल कर रहा था। सामाजिक और धर्मार्थ कार्यों की आड़ में पेशेवर तथा शैक्षणिक तंत्र के जरिए धन जुटाया जाता। मगर ऐसा कैसे संभव हुआ कि खुफिया और सुरक्षा एजंसियों को इसकी पहले कोई भनक नहीं लग पाई। जाहिर है कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था में कहीं कहीं न खामियां व्याप्त हैं, जिन्हें दुरुस्त किए जाने की जरूरत है।

हादसों की जड़ें

लगभग सभी बड़े हादसों और उनमें लोगों के हताहत होने की घटना के बाद राहत तथा मुआवजे के लिए सरकार की और से औपचारिक कदम उठाए जाते हैं। सबका ध्यान आमतौर पर इस बात पर टिका रहता है कि किस वाहन के चालक की गलती थी या कहीं कोई तकनीकी गड़बड़ी तो नहीं थी। मगर कई बार हादसों की वजहें ऐसे पहलू में भी छिपी होती हैं, जिन पर ध्यान देना लोग जरूरी नहीं समझते और न ही उसे अहम बिंदु माना जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए कुछ वैसे ही कारणों को चिह्नित करने की जरूरी पहल की है। अदालत ने सोमवार को राजस्थान के फलोदी इलाके में हुए सड़क हादसे के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से दो हफ्तों के भीतर दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। इसमें संबंधित महकमों को फलोदी से गुजरने वाले राजमार्ग पर ढाबों की संख्या के साथ-साथ राजमार्ग की स्थिति और वहां सड़क रखरखाव के लिए ठेकेदार द्वारा अपनाए गए मानदंडों के बारे में भी बताना होगा। गौरतलब है कि उस हादसे में सड़क किनारे खड़े एक ट्रक के पीछे यात्रियों से भरा टेम्पो ट्रेवलर टकरा गया था, जिसमें दस महिलाओं और चार बच्चों सहित पंद्रह की जान चली गई थी। दरअसल, लंबी दूरी की यात्रा के लिए निर्बाध सड़कें तो बना दी जाती हैं, लेकिन उनकी गुणवत्ता और रखरखाव के लिए उच्चतम मानदंडों को बनाए रखना जरूरी नहीं समझा जाता। जबकि हर कुछ दूरी पर टोल संग्रह केंद्रों पर वाहन चालकों से शुल्क वसूलने में कोई रियायत नहीं बरती जाती। दूसरी ओर, ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहते हैं, जिनमें किसी ढांचे के पास सड़क किनारे खड़े बड़े वाहन पर सही समय पर नजर न पड़ने की वजह से पीछे से कोई अन्य वाहन आकर टकरा जाता है और नाहक ही लोगों की जान चली जाती है। सवाल है कि जब तेज रफ्तार और निर्बाध सफर के लिए सड़कें बनाने का दावा किया जा रहा है तो उसे हर लिहाज से सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी किसकी है। सुप्रीम कोर्ट ने फलोदी में हुए हादसे का स्वतः संज्ञान लेकर दरअसल हादसों के वास्तविक कारणों की ओर ध्यान दिलाने की कोशिश की है।

सीएमएचओ ऑफिस—गीतांजली हॉस्पिटल की मिलीभगत, सीएम पोर्टल की शिकायत का बना दिया मज़ाक



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। लेकसिटी उदयपुर में ऐसा लगता है कि बड़े लोग बड़े स्तर पर बड़े लोगों के हितों के लिए ही हमेशा काम करते हैं। राजनेताओं के बारे में तो सुना था कि अफसर चरणवंदना करते नज़र आते हैं मगर अब तो बड़े अस्पतालों के आगे सीएमएचओ दफ़्तर तक नतमस्तक दिखाई दे रहा है।

सीएम पोर्टल पर की गई शिकायत को मज़ाक में लेते हुए परिवादी की शिकायत को चलताऊ तरीके से निपटा रहा है। बिना परिवादी से बात किए हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री के पोर्टल पर यह अपलोड करवा रहे हैं कि शिकायत का निस्तारण कर दिया गया है। यह गंभीर अनियमितता ही नहीं, जांच और पनिशमेंट का भी विषय है।

आपको बता दें कि उदयपुर निवासी एक व्यक्ति ने गत दिनों अपने एक रिश्तेदार के हेल्थ इश्यू को लेकर गीतांजली हॉस्पिटल का रुख किया। इस अस्पताल में सरकारी हेल्थ बीमा के लागू होने व निशुल्क उपचार का प्रावधान होते हुए भी पार्किंग के नाम पर खुली लूट मची हुई है।

पार्किंग में दुपहिया वाहन 12 घंटे रखने पर 10 रुपए और उससे अधिक यानी कि पूरे दिन रखने पर 20 रुपए वसूले जा रहे हैं। इससे पहले यह चार्ज 10 और 20 रुपए था। यानी कि जहां सरकार खुद निशुल्क इलाज जनता का करवा रही है, वहां पर पार्किंग पर बेलगाम और बेहिसाब वसूली हो रही है।

मरीजों का कहना है कि या तो सरकारी बीमा वाले सिस्टम से इस अस्पताल को बाहर किया जाए या फिर पार्किंग वसूली को बंद किया जाए। सरकार खुद 10 रुपए से कम में भरपेट भोजन करवा रही है तो फिर उतने से ज़्यादा का पार्किंग शुल्क क्यों वसूला जा रहा है। क्या इस बारे में सीएमएचओ कोई जांच कर रहे हैं? क्या कोई कार्रवाई की मंशा रखते हैं?

बहरहाल, ताज़ा मामला यह सामने आया है कि गीतांजली हॉस्पिटल में मरीज को अस्पताल में छोड़कर एक युवक जब अपने दुपहिया वाहन को पार्किंग में पार्क करने गया तो उससे 20 रुपए ले लिए गए। जब युवक का ध्यान बोर्ड पर गया तो उसने कहा कि 12 घंटे के 10 रुपए बोर्ड पर लिखे हैं, तो ठेकेदार के कर्मचारी ने कहा कि ठीक है, 10 ही लगेंगे।

कुछ देर तक खड़े रहने के बाद भी जब बचे हुए रुपए नहीं दिए, तो युवक ने कर्मचारी से कहा कि बचे हुए रुपए वापस करो। इस पर उसने रुपए थमाए और "चलो, यहां से" कहते हुए अशोभनीय तरीके से बर्ताव किया। विरोध करने पर उसने कहा कि ज़्यादा परेशानी है तो ठेकेदार से बात कर लो।

ठेकेदार को बार-बार फोन करने पर भी उसने फोन रिसीव नहीं किया। इधर, मरीज को दिखाने की प्रक्रिया में देरी हुई जिससे परेशानी हुई। आखिरकार परेशान युवक ने राजस्थान के सीएम पोर्टल 181 पर शिकायत दर्ज करवाई। कायदे से तो उसी समय शिकायत का निस्तारण किया जाना था लेकिन सीएम पोर्टल पर ऐसा नहीं किया गया।

शिकायत के बावजूद ना तो गीतांजली प्रशासन की ओर से, ना ही सीएमएचओ प्रशासन की ओर से युवक से कोई बातचीत की गई। और चार दिन बाद अचानक युवक के मोबाइल पर संदेश आया कि "आपके परिवाद का निस्तारण कर दिया गया है।"

सवाल यह उठता है कि जब पीड़ित पक्ष को सुना ही नहीं गया तो परिवाद का निस्तारण कहां से हो गया? सीएमएचओ दफ़्तर में ऐसे कौन से लोग हैं जो गीतांजली अस्पताल के सामने इतने पस्त हो गए हैं कि नाम सुनते ही परिवादी की शिकायत को कूड़ेदान में फेंक दिया — वह भी सीएम पोर्टल की शिकायत को।

कलेक्टर के स्तर पर यह जांच का विषय हो सकता है। मामला यहीं नहीं थमा। जब परिवादी ने कहा कि पोर्टल पर शिकायत फिर से खोली जाए, तो शिकायत के कुछ ही पलों बाद गीतांजली से किसी सिक्योरिटी इंचार्ज का फोन आया व मामला पूछा।

इस पर परिवादी ने पूछा कि क्या आपने अपने पार्किंग स्टाफ से बात की है? इस पर उन्होंने कहा कि नहीं। परिवादी ने पूछा कि तो फिर आप अपने सिस्टम से बिना फीडबैक लिए किस बिहाफ पर बात कर रहे हैं? इसके बाद युवक के पास कोई फोन नहीं आया।

मज़े की बात है कि आज उसी परिवाद का फिर से निस्तारण करने का मैसेज आ गया। युवक को नहीं बताया गया कि मामले का क्या हुआ, क्या न्याय मिला, क्या राहत दी गई। जब सीएम पोर्टल पर पूछा गया तो बताया गया कि सीएमएचओ कार्यालय की ओर से कोई जवाब अस्पताल से मांगा गया है। यह बात परिवादी को भी बताई जा सकती थी, मगर सीएमएचओ के होनहार कर्मचारी गीतांजली अस्पताल को किसी नोटिस देने की बात को सार्वजनिक नहीं होने देना चाह रहे हैं।

युवक ने बताया कि अगर ऐसा चलता रहा तो कहां सुनवाई होगी, न्याय कैसे मिलेगा। राहत तुरंत चाहिए थी, सुनवाई तुरंत होनी थी, मगर सीएमएचओ ने गीतांजली अस्पताल के साथ मिलकर मामले को ही जलेबी बनाकर रख दिया। इस बारे में अगर विधायक व सांसद संज्ञान लें तो बेहतर रहेगा।

चित्तौड़गढ़ में दिनदहाड़े बीजेपी नेता को गोली मारी, स्कूटी पर जा रहे थे; बदमाश फरार



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़. मंगलवार सुबह एक सनसनीखेज वारदात हुई। दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाश ने बीजेपी नेता को गोली मार दी। घटना के समय वे स्कूटी पर जा रहे थे। इस दौरान हेलमेट पहने बदमाश ने फायरिंग की और मौके से फरार हो गया। हमले में गंभीर रूप से घायल बीजेपी नेता को चित्तौड़गढ़ के सरकारी हॉस्पिटल लाया गया, जहां उनकी नाजुक हालत को देखते हुए उदयपुर रेफर कर दिया गया। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के सिटी पेट्रोल पंप के पास मंगलवार सुबह करीब 11 बजे की बताई जा रही है।

बीजेपी नेता रमेश ईनाणी (65) साल 2019 से 2022 तक पार्टी में नगर मंत्री के पद पर रह चुके हैं। उनके पैर और पीठ में गोली लगी है। सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रहा है कि जैसे ही उन्हें गोली लगी, वे स्कूटी से गिर गए।

घटना की तस्वीरें सामने आईं पीछा कर रहे बाइक सवार ने स्कूटी पर जा रहे बीजेपी नेता को ओवरटेक कर गोली मारी। गोली लगते ही रमेश ईनाणी स्कूटी से गिर गए। गोली मारने के बाद बाइक पर हेलमेट पहना बदमाश फरार हो गया। गंभीर घायल ईनाणी को चित्तौड़गढ़ के सरकारी हॉस्पिटल लाया गया।

बाइक पर पीछा कर रहा था बदमाश एसपी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि रमेश ईनाणी का कूरियर का भी बिजनेस है। वे स्कूटी से किसी काम से जा रहे थे, तभी हेलमेट पहना बाइक सवार उनका पीछा कर रहा था। उसने ईनाणी को ओवरटेक किया और फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि बदमाश ने दो फायर किए — एक गोली उनकी पीठ में और दूसरी पैर में लगी। एसपी ने बताया कि हमला क्यों किया गया और आरोपी कौन हैं, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं और जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।

घटना से आधा घंटे पहले MLA ऑफिस में थे ईनाणी

रमेश ईनाणी कृष्णा नगर, चामटी खेड़ा रोड निवासी हैं। घटना से पहले वे सुबह करीब 10:30 बजे तक विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के ऑफिस में थे। वहां से घर लौटने के बाद वे अपने ऑफिस ईनाणी कूरियर सर्विस, राणा सांगा मार्केट जा रहे थे, तभी यह हमला हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक चंद्रभान सिंह आक्या भी मौके पर पहुंचे।

जमीन विवाद की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

बताया जा रहा है कि रमेश ईनाणी प्रॉपर्टी कारोबार से भी जुड़े थे। इस हमले में जमीन संबंधी विवाद की आशंका जताई जा रही है। उनकी पीठ से गोली निकाल ली गई है। पुलिस ने घटना स्थल के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है और हमलावर की तलाश तेज कर दी गई है।

एनएसयूआई ने कुलपति बी.पी. सारस्वत के निर्णयों का किया स्वागत



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) उदयपुर देहात जिला अध्यक्ष जितेश खटीक, पूर्व जिलाध्यक्ष हिमांशु पवार और प्रदेश महासचिव महिपाल सिंह कुराबड़ ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति बी.पी. सारस्वत द्वारा छात्र हित में लिए गए निर्णयों का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि कुलपति ने विश्वविद्यालय में बेहतर शैक्षणिक वातावरण स्थापित करने की दिशा में सराहनीय प्रयास किए हैं। एनएसयूआई पदाधिकारियों ने बताया कि बी.पी. सारस्वत ने कुलपति पद संभालने के बाद विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए कई सकारात्मक कदम उठाए। उन्होंने सेमेस्टर परीक्षाओं और कक्षाओं को समय पर संपन्न कराने के निर्देश सभी शिक्षकों को दिए। छात्रों से प्रवेश एवं परीक्षा शुल्क में राहत दी गई और सत्र 2025-26 में किसी प्रकार की फीस वृद्धि नहीं करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही पेंशनर्स के सातवें वेतनमान के एरियर की राशि बजट स्वीकृति के बाद जारी करने के आदेश भी दिए गए। एनएसयूआई नेताओं ने कहा कि कुलपति द्वारा लिए गए इन निर्णयों से विश्वविद्यालय में अनुशासन, पारदर्शिता और सकारात्मक माहौल को बढ़ावा मिला है। छात्र संगठन ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय प्रशासन छात्र हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहेगा और मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में कार्य करेगा। इस अवसर पर एनएसयूआई उपाध्यक्ष रोहित पुरोहित, प्रदेश सचिव गोमाराम जाट, विक्रम बिश्नोई, छात्र नेता कैलाश गुर्जर, सूर्यपाल सिंह देवड़ा और मुकेश मेघवाल उपस्थित रहे।

वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उदयपुर के गौरव साहू ने झंडा गाड़ा, 59 किलोग्राम वर्ग में विश्व में छठा स्थान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। रोमानिया के क्लुज नापोका में चल रही वर्ल्ड सीनियर पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उदयपुर के युवा खिलाड़ी गौरव साहू ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और 59 किलोग्राम भार वर्ग में विश्व स्तर पर छठा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने कुल 570 किलो (स्क्वैट 220 किलो, बेंच प्रेस 115 किलो और डेडलिफ्ट 235 किलो) वजन उठाया। राजस्थान राज्य पावरलिफ्टिंग संघ के आयोजन सचिव विनोद साहू ने बताया कि गौरव सीनियर वर्ग में खेलने वाले राजस्थान के पहले खिलाड़ी बने हैं। ठंडे मौसम और घुटने के दर्द के बावजूद उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को टीम चैंपियनशिप के लिए पांच अंक दिलाए। गौरव ने डेडलिफ्ट में तीसरे प्रयास में 245 किलो उठाने की कोशिश की, जिसमें असफल रहे—अगर सफल होते तो कांस्य पदक हासिल कर लेते। गौरव ने कहा कि अगले वर्ष दुबई में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में वह पदक जीतने का प्रयास करेंगे। उनकी इस उपलब्धि पर संघ अध्यक्ष दिनेश श्रीमाली, सचिव देवेंद्र साहू, और अन्य खेल अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी। उदयपुर आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा।

सरकार गौशालाओं की वाजिब समस्याओं का जल्द समाधान करे – गौ सेवा समिति



24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। राजस्थान गौ सेवा समिति जिला शाखा डूंगरपुर ने सरकार से गौशालाओं की वाजिब समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की है। समिति के जिला कार्यवाहक अध्यक्ष भगवतीलाल पंचाल ने बताया कि समिति ने सागवाड़ा विधायक शंकरलाल डेचा के निजी सचिव को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें बताया गया कि विगत एक वर्ष से राजस्थान की सैकड़ों गौशालाओं की अनुदान सहायता राशि अटकी हुई है, जिससे गौमाताओं का जीवन संकट में है। ज्ञापन में कहा गया कि कई गौशालाएं गौचर (चरागाह) भूमि पर संचालित हैं, किंतु गौपालन विभाग के निर्देशों के बावजूद भूमि आवंटन प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है, जिससे जनसहभागिता योजना के तहत मिलने वाली राशि का भुगतान नहीं हो पा रहा है। मुख्यमंत्री से निवेदन किया गया है कि यदि 15 नवम्बर 2025 तक गौशालाओं की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो 16 नवम्बर से प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर समिति के जिला अध्यक्ष भगवतीलाल पंचाल, श्री श्री उत्तम कृष्ण गोपाल गौशाला के संरक्षक मुकेश जी भोई, चंद्रशेखर संघवी, गौ रक्षा दल प्रमुख अजय बुझ, तथा सन्मति गौशाला के उपाध्यक्ष हितेश राजभोई उपस्थित रहे।

ग्राहक पंचायत ने शुरू किया आर्थिक समरसता का अभियानः असंगठित ग्राहकों को शोषण से मुक्ति दिलाने का संकल्प



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा/उदयपुर, 11 नवंबर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की जिला शाखा बांसवाड़ा की जिला बैठक आज जवाहर पुल स्थित बीएमएस कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य असंगठित ग्राहकों के अधिकारों की रक्षा, जनजागरण और संगठन विस्तार को लेकर कार्ययोजना तय करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राहक पंचायत चित्तौड़ प्रांत के प्रांतीय संगठन मंत्री एवं बांसवाड़ा जिला प्रभारी राकेश पालीवाल, विशिष्ट अतिथि डॉ. कमलेश शर्मा (सदस्य, उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, डूंगरपुर) एवं अध्यक्ष लक्ष्मीकांत भावसार (प्रांतीय सह सचिव, ग्राहक पंचायत) उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि पालीवाल ने कहा कि आज असंगठित ग्राहक जानकारी के अभाव में हर जगह शोषण का शिकार हो रहा है। ग्राहक पंचायत ऐसे पीड़ित और शोषित ग्राहकों की आवाज बनकर उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में ग्राहक जनजागरण, संगठन विस्तार और ग्राहकों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने की दिशा में सक्रिय रहना चाहिए। पालीवाल ने बांसवाड़ा जिले की 2025 से 2027 की नई कार्यकारिणी की घोषणा की। नई टीम में संरक्षक डॉ. कमलेश शर्मा, जिला अध्यक्ष बापूलाल गर्ग, जिला सचिव खुश व्यास, संगठन मंत्री परमेश्वर लाल भावसार, सह संगठन मंत्री गजेन्द्र प्रसाद गौड़, उपाध्यक्ष एडवोकेट दिनेश जोशी व भूपेश वर्मा, कोषाध्यक्ष निखिल भावसार, विधि आयाम प्रमुख एडवोकेट पंकज बरोड़िया, महिला आयाम प्रमुख नयना जैन और भारती शर्मा, प्रचार प्रमुख निखिल दोसी, सह प्रचार प्रमुख लोकेश जैन गनोड़ा सहित कई अन्य सदस्यों को दायित्व सौंपा गया। प्रांतीय सह सचिव भावसार ने कहा कि 'ग्राहक शब्द उपभोक्ता से अधिक व्यापक है।' उन्होंने बताया कि ग्राहक पंचायत का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों—उत्पादक, व्यापारी, किसान, कर्मचारी और ग्राहक—के बीच आर्थिक समरसता और परस्पर सहयोग स्थापित करना है। इसे 'अर्थ पंचक' की संकल्पना के रूप में देखा जाता है। ग्राहक पंचायत समाज की आर्थिक समरसता का अभियान है, जो संतुलित आर्थिक व्यवस्था की दिशा में अग्रसर है। विशिष्ट अतिथि डॉ. कमलेश शर्मा ने उपभोक्ता अधिकारों, आयोग में परिवाद प्रस्तुत करने की प्रक्रिया और अनुचित व्यापार व्यवहार, सेवा दोष, माप-तौल में कमी, एमआरपी से अधिक वसूली जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उपभोक्ता आयोग से राहत प्राप्त करने के कानूनी प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला। संचालन जिला सचिव खुश व्यास ने किया तथा आभार प्रचार प्रमुख निखिल दोसी ने व्यक्त किया। बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम में संगठन गीत और ग्राहक मंत्र के साथ समरसता एवं जनजागरण के संकल्प को दोहराया गया।

पाकिस्तान सीमा से मादक पदार्थों की सप्लाई में वांछित आरोपी स्वरूप सिंह गिरफ्तार, नेटवर्क के 8 सदस्य सलाखों के पीछे



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 11 नवंबर। बाड़मेर जिला पुलिस को पाकिस्तान सीमा से होने वाली हेरोईन तस्करी के एक बड़े प्रकरण में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने लगभग तीन साल से फरार चल रहे और 25,000 के इनामी अपराधी स्वरूप सिंह पुत्र सुजानसिंह राजपूत को दस्तयाब किया है। स्वरूपसिंह गांव नरसिंगार पुलिस थाना गड़रारोड़ का निवासी है, पुलिस थाना गडरारोड में एनडीपीएस एक्ट के तहत वांछित था।

एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि यह गिरफ्तारी पुलिस मुख्यालय के विशेष अभियान के तहत वृताधिकारी वृत रामसर माना राम गर्ग के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई। इस ऑपरेशन में कांस्टेबल भवानीसिंह ने असाधारण साहस का परिचय दिया। मुखबिर की सूचना पर जब आरोपी के भागने की भनक लगी, तो कांस्टेबल भवानीसिंह ने अकेले ही रेत के धोरों और नाणों में उसका पीछा किया और उसे दबोच लिया।

गिरफ्तार आरोपी स्वरूपसिंह बकरी चराने का काम करता था, जिससे इसे बॉर्डर एरिया की अच्छी जानकारी है। बाद में यह स्थानीय तस्करों के संपर्क में आया और हेरोईन की खेप लाने के काम में शामिल हो गया। वह पाकिस्तान से हेरोईन प्राप्त कर आगे दिल्ली और पंजाब के तस्करों को सप्लाई करता था। इस प्रकरण में अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने उनके पास से 312 ग्राम अधजली हेरोईन, 16 लाख 06 हजार 500 नकद, एक आईफोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। कोडवर्ड में होती थी बात पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि तस्कर आपस में कोडवर्ड का इस्तेमाल करते थे जैसे, तुम्हारा कपड़ा आ गया, सिलाई के पैसे लाओ और कपड़े ले जाओ। सप्लाई के एवज में इन्हें प्रति पैकेट 1 लाख तक का कमीशन मिलता था। इस नेटवर्क का प्रभाव केवल बाड़मेर तक सीमित नहीं था। हेरोईन सप्लाई के संबंध में जैसलमेर और श्री गंगानगर जिलों के चार अन्य थानों में भी मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें कुल लगभग 28 किलो हेरोईन बरामद की जा चुकी है।

गिरफ्तार स्वरूपसिंह 164वें इनामी अपराधी के रूप में दस्तयाब किया गया है। पुलिस अब गिरफ्तार तस्कर स्वरूपसिंह से इस पूरे मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है ताकि इसके मास्टरमाइंड्स तक पहुंचा जा सके।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय अंतरमहाविद्यालयी वॉलीबॉल (महिला) प्रतियोगिता का समापन, आर्ट्स कॉलेज, उदयपुर विजेता; आरएनटी कॉलेज कपासन उपविजेता रहा



24 न्यूज अपडेट

कपासन, 11 नवम्बर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर की अंतरमहाविद्यालयी वॉलीबॉल (महिला) प्रतियोगिता 2025 का समापन समारोह सोमवार अपराह्न रविन्द्रनाथ टैगोर पी.जी. कॉलेज, कपासन के खेल मैदान में आयोजित हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि चित्तौड़गढ़ जिला कलक्टर आलोक रंजन रहे। उन्होंने प्रतियोगिता के समापन की घोषणा करते हुए कहा कि खेलों को सदैव खेल भावना से खेलना चाहिए और खिलाड़ी जीत-हार से ऊपर उठकर अपने प्रदर्शन पर ध्यान दें। उन्होंने निर्वाचन विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 अभियान की जानकारी दी और विद्यार्थियों से मतदाता सूची में अपने नाम दर्ज कराने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दीक्षा क्रिएशन्स सोसायटी के अध्यक्ष एवं आरएनटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के चेयरमैन डॉ. वसीम खान ने की। उन्होंने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि कपासन एसडीएम राजेश सुहालका ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और युवा मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर अश्विनी कुमार व्यास ने ईएलसी सदस्यों को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम से संबंधित प्रशिक्षण दिया।

महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. एस.एन.ए. जाफरी ने बताया कि यह प्रतियोगिता 10 से 11 नवम्बर तक दो दिवसीय आयोजित की गई। समापन कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदा के दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। आयोजन सचिव हीरालाल अहीर ने खेल प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में आर्ट्स कॉलेज, उदयपुर ने फाइनल मुकाबले में आरएनटी पी.जी. कॉलेज, कपासन को पराजित कर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। सुयश कॉलेज, राशमी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बेस्ट प्लेयर का खिताब आर्ट्स कॉलेज, उदयपुर की चेष्टा खोईवाल को मिला। खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। खेल अधीक्षक राकेश जीनगर ने बताया कि प्रातःकालीन सत्र में हुए सेमीफाइनल मुकाबलों में आरएनटी कॉलेज कपासन और आर्ट्स कॉलेज उदयपुर विजयी रहे। निर्णायक के रूप में महेन्द्र सिंह पंवार, ओंकारलाल मेनारिया, भगवतीलाल मेनारिया, चन्द्रसिंह धाबाई, रामलाल गाडरी, रामसिंह हाडा, विनोद आचार्य और हरीश कुमावत ने दायित्व निभाया। समारोह में संस्था सचिव नीमा खान, कपासन तहसीलदार नासिर मिर्जा बेग, बीडीओ मुकेश पोरवाल, मो.ला.सुखाड़िया विश्वविद्यालय से ऑब्जर्वर डॉ. नीरू श्रीमाली एवं डॉ. सीमा गुर्जर, कृषि कॉलेज प्राचार्य प्रो. एल.के. दशोरा, अकादमिक निदेशक शिवनारायण शर्मा, निदेशिका कृष्णा चाष्टा, बी.एड. प्राचार्य डॉ. निशा अग्रवाल, दीपक जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोनिका जैन ने किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

एक ही दिन में दो बड़ी कार्रवाईयों में 5 मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार, अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान जारी





24 न्यूज अपडेट

जयपुर 11 नवंबर। अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चुरु पुलिस ने दोहरी कार्रवाई करते हुए एक और जहां नमक के कट्टों के नीचे ट्रक में छुपा कर ले जाया जा रहा 359 किलो 560 ग्राम डोडा पोस्त छिलका सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है वहीं दूसरी ओर कार सवार तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 44 ग्राम हेरोइन बरामद की है।

जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव ने बताया कि जिला पुलिस द्वारा आदतन अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने और अवैध मादक औषधि व मनः प्रभावी पदार्थों पर नियंत्रण हेतु एक विशेष और सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत राज्य सरकार के निर्देशों पर वाहनों की गहन चैकिंग के लिए भी विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इन कार्रवाइयों को सफल बनाने में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार, लोकेन्द्र दादरवाल और वृताधिकारी इनसार अली एवं सुनील कुमार झाझड़िया का निकटतम सुपरविजन महत्वपूर्ण रहा।

रतनगढ़ में डोडा पोस्त तस्करी का पर्दाफाश

पहली बड़ी सफलता पुलिस थाना रतनगढ़ में दर्ज हुई। थानाधिकारी गौरव खिड़िया के नेतृत्व में थाना टीम मेगा हाईवे पर गश्त और चैकिंग कर रही थी। इस दौरान संदिग्ध प्रतीत होने पर हरियाणा नम्बर के ट्रक नंबर को रोका गया। गहनता से की गई चैकिंग में पाया गया कि ट्रक चालक ने नमक के कट्टों के नीचे कुल 18 कट्टों में अवैध डोडा पोस्त छिलका छिपा रखा था। पुलिस ने कुल 359 किलो 560 ग्राम डोडा पोस्त छिलका मय ट्रक के जब्त कर लिया।

कोतवाली में हेरोईन (चिट्टा) की बड़ी खेप जब्त दूसरी सफलता उसी दिन चूरू शहर के अंदर मिली। थानाधिकारी कोतवाली सुखराम चोटिया के नेतृत्व में उप निरीक्षक कमला मय जाब्ता गश्त और अवैध मादक पदार्थ की सुरागरसी हेतु तैनात थीं। कस्बा चौकी चूरू के सामने नाकाबन्दी के दौरान हरियाणा नम्बर की एक संदिग्ध कार नाकाबंदी से कुछ दूर पहले रुक गई। पुलिस जाब्ते द्वारा जाकर चैक करने पर कार में सवार तीनों व्यक्ति घबरा गए, जिससे संदेह गहराया। तलाशी के दौरान तीनों आरोपियों के पास से कुल 44 ग्राम अवैध हेरोईन (चिट्टा) मय कार के जब्त की गई।

गिरफ्तार आरोपियों का विवरण इन दोनों बड़ी कार्रवाईयों में कुल 5 मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। रतनगढ़ में डोडा पोस्त तस्करी के आरोप में गिरफ्तार मुलजिमों में विजय उर्फ थोमस उर्फ बिल्ला (35) निवासी ईषानगरी मखु अकबर वाला, जिला फिरोजपुर पंजाब और सुमित (19) निवासी बोंगटा, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। वहीं चूरू कोतवाली में हेरोईन तस्करी के आरोप में गिरफ्तार तीनों आरोपी हरियाणा के फतेहाबाद जिले के निवासी हैं। जिसमे सोनू राजपूत (28) निवासी भटुकला, दुष्यन्त सिंह (21) निवासी कुम्हारियां और सोनु धाणक (21) निवासी बनावाली शामिल है। इन सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक जय यादव ने इस डबल सफलता के लिए पूरी पुलिस टीम की सराहना की और बताया कि इन दोनों मामलों में आसूचना और तकनीकी सहायता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विशेष रूप से कोतवाली टीम के कांस्टेबल विकास कुमार व नवीन कुमार और पुष्पेन्द्र की आसूचना अहम रही।

गिरफ्तार पांचों आरोपियों से डोडा पोस्त और हेरोईन की सप्लाई चेन, उनके सोर्स, और आगे के नेटवर्क के संबंध में गहन अनुसंधान किया जा रहा है, ताकि इस अवैध धंधे में शामिल सभी लोगों को कानून के कटघरे में लाया जा सके और मादक पदार्थों की तस्करी के पूरे चक्र को ध्वस्त किया जा सके।

प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत बोले– संत साहित्य समाज में समरसता और आध्यात्मिक चेतना का प्रमुख स्रोत



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 11 नवंबर। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के संत साहित्य अध्ययन केंद्र की ओर से मंगलवार को विश्वविद्यालय के सभागार में "भारतीय संत साहित्य एवं आध्यात्मिक चेतना" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संत परंपरा ने समाज में सामाजिक चेतना, आध्यात्मिक उन्नति और मानवीय मूल्यों के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि संतों ने अपने साहित्य के माध्यम से समाज को एकता, समरसता और सौहार्द की दिशा प्रदान की। प्रो. सारंगदेवोत ने बताया कि संत काव्य में निहित लोकधर्म और मानवता का संदेश जाति, पंथ और धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर भक्ति और मन की शुद्धि की प्रेरणा देता है। उन्होंने कबीर, नामदेव, मीरा, चैतन्य महाप्रभु, तुलसीदास और नाथपंथ की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इन संतों ने अपने आचार, विचार और साहित्य के माध्यम से समाज में समानता, सहअस्तित्व और सद्भाव की भावना को स्थापित किया। उन्होंने यह भी कहा कि संत साहित्य केवल भक्ति का नहीं, बल्कि समाज सुधार, स्त्री स्वतंत्रता, अद्वैत दर्शन, निर्गुण-सगुण भक्ति और ज्ञानमार्ग का भी प्रेरणास्रोत रहा है। संगोष्ठी में प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. ओमप्रकाश पांडे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल, कुलपति प्रो. रामाशंकर दूबे तथा अध्यक्ष प्रो. राजेश मकवाना सहित कई विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किए। देशभर से आए विद्वान, शोधार्थी और प्रतिभागी इस आयोजन में सम्मिलित हुए और संत साहित्य की समृद्ध परंपरा पर गहन विमर्श किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रेमलता देवी द्वारा अनुवादित पुस्तक "फ्लाइंग मार्बल" का विमोचन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। समारोह में उपस्थित अतिथियों का विद्यापीठ की ओर से कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने पगड़ी, उपरणा और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम संचालन में निजी सचिव कृष्णकांत कुमावत ने योगदान दिया।

अवैध शराब पर सख़्त कार्रवाईः प्रदेशभर में आबकारी विभाग का विशेष अभियान, सैकड़ों लीटर शराब जब्त



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 11 नवम्बर। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेशभर में अवैध मदिरा के निर्माण, भंडारण, परिवहन और विक्रय पर रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत व्यापक कार्रवाई की गई। अतिरिक्त आबकारी आयुक्त (प्रशासन) ओ.पी. जैन और (पॉलिसी) प्रदीप सिंह सांगावत के सुपरविजन में चल रहे इस अभियान में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है। इसके तहत विभिन्न जिलों में आबकारी टीमों ने नाकाबंदी, दबिश और गश्त की कार्रवाई कर कई अभियोग दर्ज किए। श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ क्षेत्र में 1650 लीटर वॉश सहित 3 भट्टियां नष्ट की गईं और 7 लीटर अवैध शराब जब्त की गई। जोधपुर में सरदारपुरा और फलौदी क्षेत्रों में 3 अभियोग दर्ज किए गए। बांसवाड़ा में 3000 लीटर वॉश, 2 भट्टियां और 184 बोतल अवैध शराब बरामद कर 6 अभियोग दर्ज किए गए। हनुमानगढ़ में 3 फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि भरतपुर के सीकरी क्षेत्र में 120 लीटर अवैध शराब बरामद कर 6 अभियोग दर्ज किया गया।

ये क्या?? तोड़ दी आयड़ पुलिया की दीवार??

कब होगी इस पर कार्रवाई?? आयुक्त साहब!! गूगल मैप छोड़ो, हमारी खबर देखो-



24 न्यूज अपडेट

यूडीए के अधिकारियों के लिए कुछ कर गुजरने का सुनहरा अवसर। अगर अफसरों को आंखों से कम दिखाई देता है और कान से कम सुनने के कारण सूचनाएं समय पर उन तक नहीं पहुंच पाती है। तो हम उनके लिए लेकर आए हैं ताजा तरीना सूचना। सूचना ये है कि उदयपुर में एफसीआई गोदाम के आगे आयड़ की नई पुलिया में एक व्यक्ति ने बहुत बड़ा कांड कर दिया है। तस्वीरों में देखिये, साफ तौर पर दिख रहा है कि यूडीए ने यहां पर एक शानदार पुलिया बनाई है। पुलिया के दोनों तरफ पैदल चलने वाले राहगीरों के लिए भी एक सम्मानजनक और शानदार रास्ता बनाया है। जहां पर वे पैदल चलते हुए नदी के व्यू का भी आनंद ले सकते हैं। अब हुआ ये है कि इस पुलिया के एक छोर पर बनाई गई इस दीवार को रातों रोत तोड़ दिया गया है। मकसद था अपने प्लॉट पर फ्रंट एंटरेंस व्यू देने का। ताकि जगह की वेल्यू रातों रात बढ़ जाए और उस पर कमर्शियल एक्टिविटी भी की जा सके। आप खुद ध्यान से देख लीजिए। पुलिया की दीवार यहां से साफ दिखाई दे रही है। ध्यान से देखिये, यहां पर अचानक पुलिया की दीवार टूटी हुई है। और आगे फिर से ध्यान से देखिये। यहां पर दीवार अब भी बनी हुई है। तो फिर बीच की दीवार कहां गायब हो गई। इस दीवार को तोड़ कर एक शानदार गेट लगा दिया गया है। यही नहीं, पैदल रास्ता है, उसको भी रोक दिया गया है और रास्ते के उपर ही पट्टियां लगा दी गई हैं। जबकि हमारी पड़ताल में सामने आया है कि यहां पर दीवार बनी हुई थी। ये देखिये, गूगल स्ट्रीट व्यू जिसमें इस जगह पर दीवार साफ दिखाई दे रही है। अब सवाल ये उठता है कि क्या यूडीए ने दीवार तोड़ने की परमिशन दी है? क्या यूडीए अपनी ही बनाई हुई पुलिया की दीवार को तोड़ेने की परमिशन कभी देता भी है? पुलिया की दीवार को तोड़ना क्या पुलिया को कमजोर करना नहीं है? क्या यहां सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया गया है? यदि नहीं तो फिर यूडीए को हम बता रहे हैं कि अगर यह नियमों के विरूद्ध है तो इस पर तुरंत कार्रवई कीजिए। और जो नुकसान हुआ है, उसकी भी भरपाई करवाइये। आयुक्त साहब राहुल जैन से कहना चाहते हैं कि इस लोकेशन को देखने के लिए किसी गूगल मैप की जरूरत नहीं है। और अगर आज इस लोकेशन को नहीं देखा तो शायद आठ साल बाद यहां टूटी हुई पुलिया ही दिखेगी।

त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज ने जोशी को श्रद्धांजलि

सभा में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 11 नवम्बर। श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज, उदयपुर इकाई द्वारा आज पूर्व राजस्थान प्रशासनिक अधिकारी एवं त्रिमेस समाज के संभागीय अध्यक्ष स्वर्गीय तुलसीराम जोशी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन गायत्री सेवा संस्थान, सेक्टर 6, उदयपुर के सभागार में समाज के संरक्षक एवं पूर्व उप जिला प्रमुख लक्ष्मीनारायण पंड्या के सान्निध्य तथा उदयपुर इकाई अध्यक्ष पवन अमरावत की अध्यक्षता में किया गया। त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज के युवा प्रकोष्ठ के संभागीय अध्यक्ष विनोद पांडे ने बताया कि स्व. तुलसीराम जोशी समाज के एक सक्रिय, निष्ठावान एवं दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। वे सलूंबर में एसडीएम सहित राज्य के विभिन्न जिलों में महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर कार्यरत रहे। तथा अतिरिक्त जिला कलेक्टर डूंगरपुर से सेवानिवृत हुए उनके निधन से न केवल त्रिमेस ब्राह्मण समाज, बल्कि पूरे मेवाड़ वागड़ क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। उन्होंने आगे बताया कि जोशी जी ने समाज के आठों चौखलों को एकजुट कर समाज को एक मंच पर लाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उदयपुर में समाज को राज्य सरकार से भूमि आवंटन दिलाने में भी उनका योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। समाज के संरक्षक श्री लक्ष्मीनारायण पंड्या ने कहा कि सेवानिवृत्ति के पश्चात भी जोशी जी समाज और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय रहे। वे बांसवाड़ा परमाणु बिजलीघर परियोजना से जुड़े रहे और हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा नापला, बांसवाड़ा में हुए शिलान्यास कार्यक्रम में एनपीसीआईएल अधिकारियों की टीम के महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में उपस्थित थे। उदयपुर शहर अध्यक्ष पवन अमरावत ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि, "समाज ने एक हीरा खो दिया है। जोशी जी की दूरदर्शिता, कार्यक्षमता और नेतृत्व समाज के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेंगे। उनका जाना हमारे लिए अपूरणीय क्षति है।" कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे, जिनमें जगदीश त्रिवेदी,डॉ हेमंत पंड्या, रंजना अमरावत सहित बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने उपस्थित होकर स्वर्गीय जोशी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

लक्ष्मीनारायण भगवान ठाकुर जी का 13वां भव्य

अन्नकूट महोत्सव सम्पन्न, निकली भव्य शोभायात्रा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 11 नवम्बर। उदयपुर जिले के पाणुन्द गांव स्थित प्राचीन ठाकुर जी लक्ष्मीनारायण औदिच्य ब्राह्मण समाज मंदिर में ठाकुर जी का 13वां भव्य अन्नकूट महोत्सव धूमधाम से आयोजित हुआ। लक्ष्मीनारायण युवा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस आयोजन में समाज के प्रतिभाशाली और गौरवशाली व्यक्तित्वों का एक मंच पर सम्मान किया गया। समाज ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीलाल डूंगावत ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव न केवल धार्मिक आयोजन है, बल्कि समाज को एक सूत्र में जोड़ने का माध्यम भी बन गया है। समाज के युवाओं, विद्यार्थियों और विभिन्न क्षेत्रों में नाम रोशन करने वाले सदस्यों का इस मौके पर सम्मान किया गया।

शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

संस्थापक हीरालाल गोकलावत व सांस्कृतिक मंत्री हितेश व्यास ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव से पहले दोपहर 2 बजे तीन निशुल्क बसों से समाजजन पाणुन्द पहुंचे। इसके बाद शंकरलाल हिरावत व उनके सुपुत्र भरत हिरावत, नारायण हिरावत और प्रकाश हिरावत के निवास से शोभायात्रा निकली। अश्व, भगवा ध्वज और बैंड की मधुर धुनों के साथ निकली यह यात्रा हिरावत मोहल्ला, औदिच्य समाज का नोहरा, शांति नगर, जैन मंदिर व राउमावि परिसर मार्ग से होती हुई ठाकुर जी मंदिर पहुंची। रास्ते भर ग्रामवासियों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। मंदिर परिसर में विद्युत सजावट और ठाकुर जी का विशेष श्रृंगार किया गया। इसके बाद महाप्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर उदयपुर में लकड़ी की कला को नया

जीवनः 25 कलाकार बना रहे पारंपरिक मूर्तियां और औज़ार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। आदिवासी समाज में भगवान का स्वरूप माने जाने वाले भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर झीलों की नगरी उदयपुर में विशेष तैयारियां की जा रही हैं। शहर में जगह-जगह कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। इसी कड़ी में ट्राई (TRI) की ओर से एक विशेष लकड़ी की हस्तकला कार्यशाला शुरू की गई है, जहां राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए 25 कलाकार अपनी पारंपरिक कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस कार्यशाला में कलाकार लकड़ी से भगवान बिरसा मुंडा की मूर्तियां, पुराने समय में उपयोग किए जाने वाले खेती के औज़ार, लकड़ी के बर्तन और पारंपरिक गणगौर ईश्वर की प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। यह दृश्य किसी प्रदर्शनी से कम नहीं लगता, जहां लकड़ी की हर धुन भगवान बिरसा मुंडा के प्रति श्रद्धा और परंपरा की गूंज बिखेर रही है। ट्राई के प्रभारी दिनेश उपाध्याय ने बताया कि यह पहली बार है जब लकड़ी के कलाकारों के लिए इस तरह की विशेष कार्यशाला आयोजित की जा रही है। उनके अनुसार, आधुनिक समय में लकड़ी की हस्तकला धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। इस कार्यशाला का उद्देश्य इन कलाकारों को एक मंच प्रदान करना है, ताकि यह कला फिर से लोगों तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि कई ऐसे कलाकार हैं जो पहली बार किसी राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग ले रहे हैं। इन कलाकारों का कहना है कि पहले गांवों में लकड़ी के बर्तन, खिलौने और कृषि उपकरणों का खूब उपयोग होता था, लेकिन अब यह परंपरा धीरे-धीरे पीछे छूट गई है। कार्यशाला के माध्यम से वे न केवल अपनी कला को निखार रहे हैं, बल्कि नई पीढ़ी को भी इस दिशा में प्रेरित कर रहे हैं। पांच दिवसीय इस कार्यशाला में कलाकार लकड़ी से कई विशेष कलाकृतियां तैयार करेंगे, जिन्हें भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर प्रदर्शनी में रखा जाएगा। लोगों को यह देखने का अवसर मिलेगा कि परंपरागत कला आधुनिकता के बीच भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है।

लकड़ी के कलाकारों ने बताया कि वे भगवान बिरसा मुंडा की एक विशेष मूर्ति तैयार कर रहे हैं, जिसे उनके जन्मदिन के मौके पर स्थापित किया जाएगा। कलाकारों का कहना है कि यह उनके लिए गर्व का क्षण है कि वे अपनी कला के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

आर्यिका प्रसन्नमति माताजी का पिच्छी परिवर्तन

एवं चातुर्मास निष्ठापन कार्यक्रम सम्पन्न



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर,11 नवम्बर। ऐतिहासिक धर्म नगरी उदयपुर के चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर आयड़ में सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित हो रहे श्री अभिनंदनसागर महाराज की सुयोग्य सुशिष्या बाल योगिनी, जिनवाणी सेवा चन्द्रिका धर्मप्रभाविका, वात्सल्यमूर्ति आर्यिका प्रसन्नमति माताजी के चातुर्मास के तहत भव्य पिच्छी परिवर्तन एवं चातुर्मास निष्ठापन कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित हुआ। प्रतिवर्ष चातुर्मास उपरांत पुरे संघ को समाज द्वारा नवीन पिछिका प्रदान की जाती है, तथा पुरानी पिछि आचर्य श्री अपने परम् भक्त को प्रदान करते है। कार्यक्रम में रिद्धी सिद्धी कलश एवं भक्ताम्बर विधान का निष्ठापन हुआ।

- भंवरलाल- मंजू गदावत उत्कृष्ट गुरु भक्ति एवं श्रावक रत्न की उपाधि से अलंकृत

चातुर्मास समिति के महामंत्री सुरेश लखावला ने बताया कि पिच्छी परिवर्तन कार्यक्रम में मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष भंवर लाल गदावत व मंजु देवी गदावत को आयड़ चातुर्मास में उत्कृष्ट गुरु भक्ति एवं श्रावक रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया। पिच्छी परिवर्तन में आर्यिक प्रसन्नमति माताजी को नवीन पिच्छीका भेंट करने एवं पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य सुशील कुमार, अक्षय कुमार कारवां परिवार को प्राप्त हुआ। श्रावकों द्वारा थाल में सजाई हुई पिच्छी को जब आर्यिका के समक्ष भेंट की तो भजनों पर झुमते-गाते एवं आर्यिका के जयकारें लगाते हुए वातावरण को गुंजायमान कर दिया। पूरे पंडाल में हजारों गुरु भक्तों ने करतल ध्वनि से अनुमोदना की। पूरा पांडाल जयकारों से गूंज उठा, चारों तरफ अनुमोदना के जयघोष गूंज उठी।

श्रावक-श्राविकाओं से खचाखच भरा सभागार

मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष भंवरलाल-मंजूदेवी गदावत ने बताया कि आयड़ के चन्द्रप्रभु मंदिर में आयोजित पिच्छी परिवर्तन समारोह में हजारों श्रावक-श्राविकाओं से खचाखच भरे सभागार में जब आर्यिका का पदार्पण हुआ तो मानो एकाएक आर्यिका के जयकारों से पूरा सभागार गुंज उठा और जयकारें लगाते हुए श्रावकों ने आर्यिका को ससम्मान मंच तक पंहुचाया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां से हुआ। वहीं आर्यिका के स्वागत में पलक-पावड़े बिछाए मौजूद हजारों श्रावक-श्राविकाएं जयकारें लगाते रहे। इस दौरान सकल दिगम्बर जैन समाज उदयपुर, झाड़ोल, सराड़ा, इंदौर, सेमारी, देवपुरा, गींगला, उदयपुर, जयपुर, दिल्ली, मुम्बई सहित देशभर से श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे। शाही लवाजमें के साथ आर्यिका प्रसन्नमति के समक्ष अक्षत व अर्घ चढ़ाया गया।

महामंत्री सुरेश लखावत, खुबीलाल चित्तौड़ा, ओमप्रकाश चित्तौड़ा, प्रेम प्रकाश चित्तौड़ा, फतहलाल मुण्डलिया, ब्रजकिशोर जोलावत, गजेन्द्र लखावला, संचालन लोकेश जोलावत, सेठ शांतिलाल गदावत, विमल कुमार गदावत, शांतिलाल वेलावत, विजय लाल वेलावत, महिला मण्डल अध्यक्ष मंजू गदावत, आरती चित्तौड़ा, माला चित्तौड़ा सहित सैकड़ों श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रहे। उसके बाद भव्य स्वामी वात्सल्य का आयोजन हुआ।

भव्य पिच्छी परिवर्तन एवं चातुर्मास निष्ठापन कार्यक्रम में आयोजित धर्मसभा में आर्यिका प्रसन्नमति ने कहा कि संयम साधना के पथ पर चलने वाला जीवन की मंजिल को प्राप्त कर सकता है। जीवन में भटकाने वाले कई आएंगे लेकिन हमे अपना लक्ष्य नहीं भूलना चाहिए और हमेशा संयम साधना से खुद को जोड़े रखना होगा। उन्होंने कहा कि हमारी जीवन शैली जिनशासन के अनुरूप हो इसके लिए प्रयास करना चाहिए। सौभाग्यशाली जिनके पास धन है वह स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है है। महाभाग्य शाली धन भी है, स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है व धर्म भी है। दुर्भाग्यशाली जिसके पास धन नहीं, स्वास्थ्य नहीं है व धर्म भी नहीं है वह आदमी दुर्भाग्यशाली है। संसार में डूबोने वाले बहुत मिल जाएंगे लेकिन संसार से तराने वाले सिर्फ गुरु ही है। मुंह में राम और बगल में छूरी ऐसे लोगों से सावधान व दूर ही रहे। दूसरों को जलते दुख खुश नहीं होना दूसरों का सुख देखकर खुश होना ही मानव जीवन का सार है। कार्यक्रम का संचालन लोकेश जोलावत ने किया।

एकाग्रता से किया ध्यान व्यक्ति की दशा और

दिशा दोनों बदल सकता है : आचार्य महाश्रमण



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 11 नवम्बर। तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण अपनी धवल वाहिनी के साथ लम्बे-लम्बे डग भरते हुए मेवाड़ की ओर अपने चरण बढ़ा रहे है। श्री मेवाड़ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी कांफ्रेंस के अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत ने बताया कि आचार्य महाश्रमण 11 नवम्बर को प्रातः तेरापंथ भवन सलाल से का विहार कर जैनाचार्य आनंद धन विद्यालय हिम्मतनगर पहुंचे। आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश स्वर्णकार ने आचार्य महाश्रमण के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य महाश्रमण के विहार के दौरान मार्ग में जगह- जगह ग्रामीणों और श्रावक-श्राविकाओं द्वारा अभिवादन किया गया। आचार्य महाश्रमण ने ग्रामीणों का नशामुक्ति की प्रेरणा दी। आचार्य महाश्रमण का अपनी धवल वाहिनी के साथ अगला पड़ाव 12 नवम्बर को वीरावड़ा में होगा।

आचार्य महाश्रमण ने उपस्थित जन समुदाय और हिम्मतनगर समाज को अमृत देशना देते हुए फरमाया कि भगवान महावीर की वाणी में सारतत्व भरा है उस वाणी को अपनाकर व्यक्ति अपने जीवन में सारतत्व प्राप्त कर सकता है। आत्मा अनादिकाल से चली आ रही है इसका कभी नाश नहीं हो सकता है। शरीर नश्वर है। आत्मा को परमात्मा बनाना ही जीवन का मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। आत्मा के भीतर अनंत ज्ञान भरा है बस हम उसे उपयोग नहीं ले पा रहे हैं। आत्मा में ज्ञान के अनेक केंद्र विद्यमान है बस आवश्यकता है उन्हें जानने की।उन केंद्रों को एकाग्रता, साधना से प्राप्त कर सकते हैं। एकाग्रता से की गई साधना से सिद्धि प्राप्त होती है। जन्म मरण की परंपरा से छुटकारा मिले तो व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। मोक्ष की सिद्धि के सामने दुनिया की सारी सिद्धियां गौण है।

इस अवसर पर साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभा ने अपनी बात में कहा कि हमें जीवन की शाश्वत स्थिति को प्राप्त करना है इसके लिए साधना करना परम आवश्यक है। समणी विज्ञप्रज्ञा ने क्रोध को कम करने के संदर्भ में अंग्रेजी में अपनी सारगर्भित बात रखी। आज के कार्यक्रम में गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश स्वर्णकार और सिद्धार्थ प्रफुल्ल पटेल ने आचार्य महाश्रमण के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उनका अभिनंदन केतन डूंगरवाल और मेवाड़ कांफ्रेंस महामंत्री बलवंत रांका द्वारा साहित्य समर्पण, उपरना और स्मृति चिन्ह द्वारा किया गया।

साथ ही स्थानकवासी संप्रदाय हिम्मतनगर के सुरेश मुनोत, जैनाचार्य आनंदधन सूरी विद्यालय हिम्मतनगर के प्रिंसिपल दिनेश भाई प्रजापति, विद्यालय ट्रस्टी अतुल भाई दीक्षित, जिला विकास अधिकारी हर्षद भाई बोहरा का भी साहित्य समर्पण, उपरना और स्मृति चिन्ह से अभिनंदन केतन डूंगरवाल, राकेश रांका और पंकज बेद मेवाड़ कांफ्रेंस महामंत्री बलवंत रांका,किया गया।

इस अवसर पर श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष रतन बुरड़ द्वारा शब्दों द्वारा स्वागत, तेरापंथ महिला मंडल द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति, ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा द्वारा आचार्य भिक्षु के सिद्धांतों पर तथा त्रिशा चावत ने अपनी भाव्यव्यक्ति प्रस्तुत की गई। अंत में उपस्थित जन समुदाय को मंगल पाठ का श्रवण करवाया गया।

मार्ग सेवा में किशनलाल डागलिया, राजकुमार फत्तावत, बलवंत रांका, सूर्यप्रकाश मेहता,अरुण मेहता , राजीव सुराणा,सुरेश चोरडिया, राजेश खाब्या, सुनील कोठारी, प्रेक्षा वरिष्ठ नागरिक संघ उदयपुर के मोतीलाल पोरवाल, रतन मेहनोत, अशोक लोढ़ा,महेंद्र पितलिया, राजमल चपलोत, आनंद कुमार इन्टोदिया, नरेंद्र सिंह लोढ़ा, नरेंद्र नागौरी, प्रकाश पितलिया, ताराचंद सिंघवी, मंजू चौधरी, ज्योति मेहनोत , गंगा पितलिया, पुष्पा नागौरी, हेमलता नागौरी, उषा लोढ़ा, वैभव चौधरी अक्षत पोरवाल, नमन सोनी, हर्षिल बोहरा आदि आचार्य महाश्रमण की मार्ग सेवा में सहभागी रहे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर निकलेगा 'यूनिटी मार्च'

उदयपुर, 11 नवम्बर। देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर बुधवार को शहर में 'सरदार /150 यूनिटी मार्च' का आयोजन होगा। मार्च प्रातः 7 बजे टाउन हॉल से शुरू होकर शहीद स्मारक, बापू बाजार, सूरजपोल, झीनीरेत चौक, मार्शल चौराहा, धानमंडी, तीज का चौक, देहली गेट होते हुए पुनः टाउन हॉल पर समाप्त होगा।

उदयपुर संभाग में 13 से 19 नवम्बर तक 'घूमर महोत्सव 2025' का आयोजन

उदयपुर, 11 नवम्बर। राजस्थान की लोक-संस्कृति और नारी-सशक्तिकरण को समर्पित 'घूमर महोत्सव 2025' की तैयारियाँ शुरू हो गई हैं। पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक सुमिता सरोच ने बताया कि 13 से 17 नवम्बर तक नगर निगम के पंडित दीनदयाल सभागार में निशुल्क घूमर नृत्य कार्यशाला होगी। 18 नवम्बर को भंडारी दर्शक मंडप में पूर्वाभ्यास और 19 नवम्बर को मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।